सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री

Prime Minister

# संदेश

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई है कि 10 जनवरी को पुनः 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाया जा रहा है। हिन्दी के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि वर्ष 1975 में आज ही के दिन नागपुर में प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

हिन्दी भारत की समृद्ध भाषा होने के साथ-साथ देश की संस्कृति और सभ्यता की प्रतीक है। तेज़ी से विकसित हो रहे विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए हिन्दी पहले से ही एक मुख्य भाषा के रूप में उभर चुकी है। तथापि, समसामयिक समाज की प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने और हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए संगत प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के विकास में काफी कुछ किया जाना है। इस उद्देश्य के लिए न केवल विद्वानों, लेखकों और बुद्धिजीवियों को, बल्कि इस महान भाषा से जुड़े सभी लोगों को मिलकर नियमित रूप से प्रयास करने होंगे।

मैं इस अवसर पर 9वें विश्व हिन्दी सम्मेलन का भी सहर्ष स्मरण करना चाहता हूँ जो 22-24 सितंबर, 2012 को जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में बड़ी सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। हिन्दी के इस महत्वपूर्ण विश्व सम्मेलन में भारत तथा विदेशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार से जुड़े 700 से भी अधिक विद्वानों, विशेषज्ञों, शिक्षकों तथा अन्य विशिष्ट प्रतिभागियों ने भाग लिया।

'विश्व हिन्दी दिवस' के अवसर पर विश्वभर के हिन्दी प्रेमियों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

मनमोहन सिंह
(मनमोहन सिंह)

नई दिल्ली
2 जनवरी, 2013